भारत - पैराग्वे संबंध

राजनीतिक संबंध

ब्यूनस आयर्स, अर्जेंटीना स्थित भारतीय दूतावास को इसके साथ-साथ पैराग्वे का काम भी प्रत्यायित किया गया है। मिस्टर रोडॉल्फो जुकोलिलो को भारत के मानद काउंसल के रूप में नियुक्त किया गया है। पैराग्वे ने भारत में 2005 में अपना मिशन खोला था। भारत और पैराग्वे के बीच संबंध मधुर और मित्रतापूर्ण हैं। भारत और पैराग्वे के बीच कोई विवाद नहीं है।

दोनों देशों के बीच विदेश कार्यालय परामर्श का प्रथम दौर अक्टूबर 2010 में आयोजित हुआ था। दूसरा दौर अप्रैल 2015 में हुआ था। पैराग्वे के उप विदेश मंत्री श्री आस्कर काबेलो द्वारा पैराग्वे के शिष्टमंडल का नेतृत्व किया गया। व्यापार एवं निवेश, कृषि, पर्यटन, तकनीकी सहयोग, मरकोसुर तथा यू एन एस सी सुधार सहित विभिन्न पर चर्चा हुई।

इससे पहले अप्रैल 2015 में श्री आर स्वमीनाथन, अमेरिकाज के लिए सचिव ने पैराग्वे का दौरा किया था तथा द्विपक्षीय कृषि व्यापार को बढ़ावा देने पर विशेष बल के साथ व्यापक श्रेणी के द्विपक्षीय सहयोग के मुद्दों पर चर्चा करने के लिए पैराग्वे के विदेश मंत्री, प्रेसिडेंशियल चीफ ऑफ प्रोटोकॉल, कृषि एवं उद्योग मंत्रियों से मुलाकात की।

पैराग्वे के तत्कालीन राष्ट्रपति मिस्टर फरनाण्डो ल्यूगो ने मई 2012 में भारत की यात्रा की थी, जिनके साथ विदेश मंत्री; कृषि एवं पशुपालन मंत्री; तथा वाणिज्य मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी आए थे। यह पैराग्वे के राष्ट्रपति की प्रथम भारत यात्रा थी और पैराग्वे के साथ सहभागिता को नवीनता प्रदान करने तथा दोनों मित्र देशों के बीच पारस्परिक लाभकारी संबंधों को विस्तार देने का अवसर था।

यात्राएं :

पैराग्वे की ओर से महत्वपूर्ण भारत यात्राएं:

2002	श्री जोस एंटोनियो मोरेनो रुफिनेली, विदेश मंत्री
2004	श्रीमती लैला रशीद, विदेश मंत्री
2005	श्रीमती लैला रशीद, विदेश मंत्री
2010	संसदीय प्रतिनिधि मंडल
2012	श्री फर्नाण्डो ल्यूगो मेंडेज, राष्ट्रपति
2015	श्री आस्कर काबेलो, उप विदेश मंत्री

भारत की ओर से महत्वपूर्ण पैराग्वे यात्राएं:

2002 श्री दिग्विजय सिंह, विदेश राज्य मंत्री

2003 श्री सत्यब्रत मुखर्जी, वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री

2012 श्रीमती मीरा कुमार, लोक सभा अध्यक्ष

2015 आर स्वमीनाथन, सचिव (अमेरिकाज)

द्विपक्षीय करार :

डिप्लोमैटिक एवं आधिकारिक पासपोर्ट धारकों के लिए वीजा की छूट प्रदान करने संबंधी करार - 1996

तकनीकी सहयोग एवं प्रशिक्षण

भारत हर साल पैराग्वे के कामकाजी पेशेवरों को आई टी ई सी छात्रवृत्तियां प्रदान करता है। पैराग्वे के राजनयिक समय - समय पर भारतीय विदेश सेवा संस्थान के पाठ्यक्रमों में शामिल होते हैं।

बहुपक्षीय मंचों पर समर्थन :

भारत और पैराग्वे ने प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर हमेशा एक - दूसरे का समर्थन किया है तथा अर्जेंटीना यूएन एवं विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय निकायों में भारत की उम्मीदवारी का समर्थन करता है। पैराग्वे ने हाल ही में 2015-17 के कार्यकाल के लिए संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के चुनावों में भारत की उम्मीदवारी का समर्थन किया है।

<u>वाणिज्यिक संबंध :</u>

द्विपक्षीय व्यापार (यूएस मिलियन डॉलर में)

पिछले 6 वर्षों के लिए द्विपक्षीय व्यापार का ब्यौरा यहां नीचे दिया गया है :

वर्ष	भारत का आयात	वृद्धि	भारत का निर्यात	वृद्धि	कुल व्यापार	वृद्धि
2010	72	-	60	-	132	-
2011	28	-60 प्रतिशत	78	30 प्रतिशत	107	-19 प्रतिशत
2012	15	-48 प्रतिशत	89	14 प्रतिशत	104	-3 प्रतिशत

2013	22	50 प्रतिशत	100	12 प्रतिशत	122	17 प्रतिशत
2014	49	121 प्रतिशत	113	13 प्रतिशत	162	33 प्रतिशत

(स्रोत : मर्कोसुर ऑनलाइन)

पैराग्वे को भारत का निर्यात :

निर्यात की मुख्य वस्तुओं में रासायनिक पदार्थ, वाहन, ऑटो पार्टस, कॉस्मेटिक्स, मशीनरी, औषधियां, प्लास्टिक, साउण्ड और इमेज उपकरण, एल्यूमिनियम, रबर उत्पाद आदि शामिल हैं।

पैराग्वे से भारत के आयात

आयात की जाने वाली वस्तुओं में मुख्य रूप से सोया तेल (आयातों का 94 प्रतिशत), सूरजमुखी का तेल, चमड़ा और लकड़ी शामिल हैं। भारत में खाद्य तेलों के बढ़ते अभाव के कारण आने वाले वर्षों में सोया और सनफ्लावर ऑइल के भारतीय आयातों में वृद्धि होने की संभावना है। अन्य आयात : सौंदर्य प्रसाधन, फेरो एलॉयज, चमड़ा, वनस्पति कोयला के लिए रेजिन।

निवेश, संयुक्त उद्यम एवं कारोबारी शिष्टमंडल

भारत से 40 फार्मा कंपनियों (जो मुख्य रूप से औषधियों तथा परंपरागत / आयुर्वेदिक दवाओं का उत्पादन करती हैं) के एक फार्मेक्सिल शिष्टमंडल ने व्यवसाय दर सरकार बैठकों का आयोजन किया तथा 26 से 29 अगस्त 2015 तक असुंसियन में विभिन्न सरकारी अधिकारियों से मुलाकात की।

भारत के साथ व्यापार के तौर-तरीकों के बारे में मिशन द्वारा पैराग्वे के विदेश मंत्रालय तथा पैराग्वे के नेशनल चैम्बर ऑफ कॉमर्स के सहयोग से वर्ष 2012 और 2013 में दो व्यावसायिक सेमीनारें आयोजित की गई थीं।

23-26 सितंबर 2012 तक एक आठ सदस्यीय सीआईआई शिष्टमंडल ने पैराग्वे में भारतीय व्यवसाय एवं निवेश के अवसरों का पता लगाने के लिए पैराग्वे का दौरा किया। शिष्टमंडल ने पैराग्वे के कृषि मंत्री श्री एंजो कार्डोजो, पर्यटन मंत्री सुश्री लिज नेमर, उप विदेश मंत्री श्री मैनुअल मारिया केसरेज और उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री श्री फ्रांसिस्को रिवास से आसुंसियॉन में मुलाकात की।

दूतावास ने एक इंजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद (ई ई पी सी) शिष्टमंडल के दौरे के दौरान 8 मार्च 2010 को आसुंसियॉन में एक व्यावसायिक सेमीनार का आयोजन किया था। पैराग्वे के उद्योग मंत्री डॉन फ्रांसिस्को रिवास इसमें मुख्य वक्ता थे। सेमीनार ने भारतीय बाजार तथा दोनों देशों के बीच व्यावसायिक अवसरों को समझने का अवसर प्रदान किया।

मास्टरबैचेज (प्लास्टिक उद्योग) के उत्पादन के लिए पैराग्वे की एक फर्म, एलएमएल इंडिया तथा आलोक मास्टरबैचेज के बीच जनवरी 2013 में 'कारमेंटा' नामक एक संयुक्त संयंत्र स्थापित किया गया है। टीसीएस शीघ्र ही पैराग्वे में कार्य आरंभ करने पर विचार कर रहा है।

सांस्कृतिक संबंध :

दूतावास ने वर्ष 2009 और 2010 में आसुंसियॉन और सियुडाड डेल एस्टे में भारत उत्सव का आयोजन किया था। पैराग्वे के पर्यटन मंत्री इस उत्सव के मुख्य अतिथि थे। दूतावास ने आईटीडीसी, पर्यटन मंत्रालय के सहयोग से पैराग्वे में सितंबर 2013 में 5 दिवसीय और नवंबर 2014 में 10 दिवसीय भारतीय फूड फेस्टिवल भी आयोजित किया था। इस कार्यक्रम में पराग्वे के विदेश मंत्रालय से अनेक अधिकारियों तथा स्थानीय प्रख्यात कारोबारियों ने भाग लिया। इस साल 21 जून को पराग्वे के 5 योग विद्यालयों तथा खेल मंत्रालय के सहयोग से पहला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया।

भारतीय समुदाय

पैराग्वे में, मुख्य रूप से सियुडाड डेल एस्टे, जो पैराग्वे के दक्षिण-पूर्व में ब्राजील और अर्जेंटीना की सीमा पर स्थित शहर है, में लगभग 525 भारतीय रहते हैं। ये भारतीय ट्रेडिंग, थोक एवं खुदरा व्यवसाय के क्षेत्र में हैं। इनमें से अधिकांश गुजराती और सिंधी समुदायों के हैं।

उपयोगी संसाधन :

मिशन का वेब पेज :

अर्जेंटीना में भारतीय मिशन का फेसबुक पेज :

मिशन का यूट्यूब चैनल

मिशन का ट्विटर पेज

अर्जेंटीना, उरूग्वे तथा पराग्वे में योग संस्थाओं एवं विद्यालयों की डायरेक्टरी

अर्जेंटीना, उरूग्वे तथा पराग्वे के साथ कारोबार करने के लिए पथ-प्रदर्शिका

*****

जनवरी, 2016